

अध्याय - 4 | गतिमान आवेश और चुंबकत्व

QUIZ-01

1. किस वैज्ञानिक ने सबसे पहले विद्युत धारा द्वारा चुंबकीय सुई के विचलन की खोज की थी?

- A. एम्पियर
B. फैराडे
C. ओयस्टेड
D. मैक्सवेल (C)

व्याख्या: ओयस्टेड ने देखा कि विद्युत धारा वाले तार के पास चुंबकीय सुई विचलित होती है, जिससे विद्युत और चुंबकत्व के बीच संबंध स्थापित हुआ।

2. चुंबकीय क्षेत्र की SI इकाई क्या है?

- A. गौस
B. वेबर
C. टेस्ला
D. ऐम्पियर (C)

व्याख्या: चुंबकीय क्षेत्र की SI इकाई टेस्ला (T) होती है; $1 T = 1 N \cdot s / (C \cdot m)$

3. किसी आवेश पर लोरेन्ज बल का सूत्र है:

- A. $F = qE$
B. $F = qB$
C. $F = q(E + v \times B)$
D. $F = q(v + B)$ (C)

व्याख्या: लोरेन्ज बल में विद्युत और चुंबकीय दोनों बल होते हैं, सूत्र है $F = q(E + v \times B)$

4. धारा वहन करने वाले तार पर चुंबकीय बल का सूत्र है:

- A. $F = qvB$
B. $F = Il \times B$
C. $F = I^2 R$
D. $F = Blq$ (B)

व्याख्या: सीधी धारावाही चालक पर चुंबकीय बल होता है $F = Il \times B$.

5. लंबे सोलेनॉइड के अंदर चुंबकीय क्षेत्र होता है:

- A. $\mu_0 nI$
B. $\mu_0 I^2 R$
C. $\mu_0 I$
D. $\mu_0 nI^2$ (A)

व्याख्या: लंबे सोलेनॉइड के अंदर चुंबकीय क्षेत्र समान होता है और $B = \mu_0 nI$ होता है।

6. बायोट-सावर्ट नियम चुंबकीय क्षेत्र देता है:

- A. केवल गतिशील आवेशों के लिए
B. चुंबकीय पदार्थों के लिए
C. एक धारा तत्व के लिए
D. स्थिर आवेशों के लिए (C)

व्याख्या: बायोट-सावर्ट नियम एक छोटे धारा वहन करने वाले तत्व के कारण चुंबकीय क्षेत्र देता है।

7. समान दिशा में धारा वहन करने वाले दो समांतर तार:

- A. एक-दूसरे को प्रतिकर्षित करते हैं
B. एक-दूसरे को आकर्षित करते हैं
C. कोई बल नहीं लगाते
D. एक विद्युत द्विध्रुव बनाते हैं (B)

व्याख्या: समांतर धाराएं चुंबकीय क्षेत्र के प्रभाव से एक-दूसरे को आकर्षित करती हैं।

8. किसी धारा युक्त लूप का चुंबकीय आघूर्ण होता है:

- A. $I \times R$
B. $I \times A$
C. $I \times \mu_0$
D. $I \times R^2$ (B)

व्याख्या: धारा युक्त लूप का चुंबकीय आघूर्ण होता है $m = I \times A$, जहाँ A लूप का क्षेत्रफल है।

9. एक समान चुंबकीय क्षेत्र में धारा वहन करने वाले लूप पर बल आघूर्ण होता है:

- A. $IAB \cos \phi$
B. $IAB \sin \phi$
C. IB
D. IA (B)

व्याख्या: बल आघूर्ण $\tau = IAB \sin \phi$ होता है, जहाँ θ चुंबकीय क्षेत्र और लूप की लम्बवत दिशा के बीच का कोण है।

10. त्रिज्या R के धारा वहन करने वाले वृत्तीय लूप के केंद्र पर चुंबकीय क्षेत्र है:

- A. $\mu_0 I / 4R$
B. $\mu_0 I / 2R$
C. $\mu_0 I R$
D. $\mu_0 I / R^2$ (B)

व्याख्या: वृत्तीय लूप के केंद्र पर चुंबकीय क्षेत्र होता है $B = \mu_0 I / 2R$